दि. जैन परम्परा का अंतर्राष्ट्रीय महामहोत्सव - गोम्मटेश्वर का महामस्तकाभिषेक

श्रवणबेलगोला का नाम आते ही मन-मस्तिष्क में एक ऐसी छवि उभरकर आती है जो तन-मन को हर्षित करती है। पंथ-ग्रंथ-संत सबसे परे एक श्रद्धा की सूरत जो सभी दिगम्बर श्रमण संस्कृति के उपासकों के मन में बिना किसी भेदभाव के समाहित है, वह तीर्थ है श्रवणबेलगेला व यहाँ के गोम्मटेश्वर भगवान बाहुबली स्वामी। यह प्रतिमा दिगम्बर जैन जगत में वर्णित प्रतिष्ठा पाठ को अपने अन्दर समाहित करती हुई उन प्रतिष्ठा मंत्रों व स्थापना निक्षेप के सिद्धान्त को साक्षात प्रदर्शित करती है कि प्रतिष्ठा मंत्रों में अभूतपूर्व शक्ति है जो पाषाण में परमात्मा को प्रतिष्ठित कर देती है। भगवान बाहुबली हमें बोलते हुए प्रतीत होते है। उनका अंग-अंग दिगम्बरत्व का सन्देश देता हुआ प्रतीत होता है।

सबसे सुंदर यानि गोम्मटेश - जब इस तीर्थ के नेतृत्वकर्ता पूज्य कर्मयोगी जगद्गुरू स्वस्तिश्री चारूकीर्ति भट्टारक स्वामीजी से चर्चा होती है तो वे प्रतिमा का वर्णन करते हुए प्रसन्नचित हो जाते हैं। वे बताते हैं कि भगवान बाहुबली स्वामीजी को 'गोम्मट देव', 'गोम्मट जिन','गोम्मटेश्वर जिनम्', 'बाहुबली', 'भुजबली', सुनंदातनय', 'विंध्य गिरिष' आदि नामों से पुकारा जाता है। श्रवणबेलगोला व कन्नड़ के लोकगीतों में भगवान बाहुबली की आराधना के गीत गाए जाते हैं। हर शुभकार्य के पहले भगवान बाहुबली को स्मरण किया जाता है, यह उनका लोकपूज्य होने का प्रमाण है। गोम्मट का अर्थ होता है सबसे सुंदर।

श्रवणबेलगोला 'विश्वतीर्थ' है। यहाँ आने वाले पर्यटक जो देश-विदेश के होते हैं, घूमने आते हैं लेकिन श्रद्धा से झुककर अपना शीश नवाते नजर आते है और बाहुबली का मौन आशीष पाकर अपने आप को धन्य करते हैं। ऐसे अनुपम, अद्भुत, अलौकिक विश्वतीर्थ पर जहाँ दिगम्बरत्व की कीर्ति विश्वव्यापी होती है ऐसा अनुपम पर्व है गोम्मटेश का महामस्तकाभिषेक। इस उत्सव में सम्पूर्ण जैन समाज सहित दिगम्बर साधु प्रतिमा के सम्मुख नतमस्तक होते हैं।

हमारे जीवन काल में यह अवसर 7 फरवरी 2018 से 25 फरवरी 2018 तक आने वाला है। इस अभूतपूर्व आयोजन में सम्मिलित होने के लिए देशभर के आचार्य, मुनि, आर्यिका संघ निरंतर पद विहार कर रहे है। सम्पूर्ण देश में वे श्रवणबेलगोला के महामस्तकाभिषेक का सन्देश प्रदान कर रहे हैं। राष्ट्रगौरव, वात्सल्य वारिधि आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज ससंघ सहित 84 पिच्छीधारी संत श्रवणबेलगोला में 2017 का चातुर्मास संपन्न कर सान्निध्य हेतु श्रवणबेलगोला में प्रवासरत है। 'अहिंसा से सुख-त्याग से शांति, मैत्री से प्रगति - ध्यान से सिद्धि' का सन्देश वे अपने जीवन की चर्या से प्रदान कर रहे है। हम सभी की यह जिम्मेदारी है कि दिगम्बर जैन जगत के इस सार्वभौमिक आयोजन जो भारत सरकार, कर्नाटक सरकार के साथ मिलकर दिगम्बर जैन कुम्भ के रूप में संचालित हो रहे इस आयोजन में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान कर अपनी श्रद्धा का अर्घ समर्पित करें। भगवान बाहुबली समाज में समन्वय, सद्भावना, सामर्थ्य, शक्ति, सम्पूर्णता, समर्पणता, शांति, श्रद्धा, संतुलन, श्रेष्ठता, सामाजिकता, स्वात्मोपलब्धि, स्वानुभव, सात्विकता, सहजता, विश्व शांति के प्रतीक है जो अनेक अवसरों पर सिद्ध हो चुका है। आयोजन हेतु समाज, शासन-प्रशासन, निरंतर सक्रिय है। श्रवणबेलगोला का कण-कण महामस्तकाभिषेक हेतु उत्साह से परिपूर्ण है। तैयारियों का क्रम जारी है, बैठकों का दौर निरंतर चल रहा है। सभी के आतिथ्य के लिए विभिन्न समितियाँ अपना दायित्व निभाकर देशभर के आतिथ्य हेतु लालायित है।

पूज्य स्वामीजी की भावना है कि आयोजन में दिगम्बर जैन जगत का प्रत्येक परिवार सम्मिलित हो, भगवान बाहुबलीजी को भक्ति कलश समर्पित करे, हम सभी का दायित्व बनता है कि हम इस भक्ति पर्व में जो दिगम्बर श्रमण परम्परा का गौरव उत्सव है, को सफलतापूर्वक सम्पन्न करें।

गोम्मटेश का स्पर्श एक सुखद अनुभव

दिगम्बर जैन जगत में गोम्मटेश्वर भगवान बाहुबली स्वामीजी का बारह वर्ष में होने वाला महामस्तकाभिषेक एक सार्वभौमिक आयोजन है, जिसका इंतजार प्रत्येक श्रद्धालु को होता है। गोम्मटेश्वर भगवान बाहुबली की प्रतिमा का आकर्षण कहें, अतिशय कहें या उनकी मौन साधना की सर्वोच्च स्थिति कहें, श्रवणबेलगोला जाते ही अभूतपूर्व शांति का अनुभव जैन-जैनेत्तर सभी करते है। श्रवणबेलगोला के दर्शन के बाद जैन दर्शन, श्रमण संस्कृति के प्रति श्रद्धा का जो भाव प्रकट होता है, वह जीवन में सम्यक राह का राही बनने में सहयोगी होता है। 1037 वर्ष प्राचीन गोम्मटेश्वर की प्रतिमा के दर्शन, उन्हें स्पर्श करने की उत्कंठा सभी को होती है। वहाँ पहुँचने वालों के लिए उनका स्पर्श करना अभूतपूर्व सुख का अनुभव कराता है।

दिगम्बर जैन एकता का महापर्व गोम्मटेश्वर महामस्तकाभिषेक

पंथों के चक्कर में हम निर्ग्रन्थों के मार्ग को स्वयं अपने हाथों से पलीता लगा रहे हैं, स्वयं के प्रचार के चक्कर में हम भूल जाते है कि हमारे तीर्थंकरों ने 'पंथ' नहीं 'पथ' बतलाया था, 'पंथ' के चक्कर में पड़कर हम अपने ग्रंथों की मूल भावना से दूर होते चले जा रहे है। गोम्मटेश्वर भगवान बाहुबली के महामस्तकाभिषेक की घोषणा 1 फरवरी 2017 को जगद्गुरू कर्मयोगी स्वस्तिश्री चारूकीर्तिजी भट्टारक स्वामीजी ने की। उपस्थितजनों में हर्ष की लहर के साथ सम्पूर्ण देश में उत्साह का वातावरण बन गया कि सभी को बाहुबली के दर्शन के लिए श्रवणबेलगोला जाना है। महामस्तकाभिषेक की घोषणा होते ही श्रवणबेलगोला में तो मानों महामस्तकाभिषेक प्रारंभ हो गया। देशभर के विद्वानों का संस्कृत विदुषी महिलाओं का राष्ट्रीय महिला सम्मेलन, राष्ट्रीय जैन विद्वत सम्मेलन, राष्ट्रीय जैन युवा सम्मेलन, अंतराष्ट्रीय प्राकृत कांफ्रेंस और अ.भा.पत्रकार सम्मेलन सहित अनेकों मण्डल विधान, पूजन आराधना, 84 पिच्छीधारियों का भव्य चातुर्मास व प्रतिदिन आयोजनों की श्रृंखला ने कभी अक्षर से कभी भक्ति से, भावना से भगवान बाहुबली महामस्तकाभिषेक कर सारे देश को संदेश दे दिया कि हे गोम्मटेश ! आप हमारे दिगम्बरत्व की ध्वजा पताका के प्रथम मोक्षगामी हो, आप तीर्थंकर नहीं लेकिन तीर्थंकर से कम नहीं, आपने मौन से जो उपदेश दिया है वह आज भी सार्थक है। बिखरी हुई जैन एकता को आप ही एकसूत्र में पिरों कर हमें एक कर सकते हो वह आपके प्रतिनिधि परम् पूज्य जगद्गुरू कर्मयोगी स्वस्तिश्री चारुकीर्तिजी भट्टारक स्वामीजी ने दिखा भी दिया कि गोम्मटेश के दरबार में ''हम सब एक है'' यहां कोई भेद नहीं यहां तो भेदज्ञान के साथ वीतराग दिगम्बरत्व की चर्चा है, आईये हम सब गोम्मटेश्वर के भेदज्ञान को समझे और आपस के भेदों-पंथों को नष्ट कर गोम्मटेश का महामस्तकाभिषेक कर अपना जीवन धन्य करें।

हम सभी श्रद्धालु श्रवणबेलगोला व गोम्मटेश्वर भगवान बाहुबलीजी को प्रख्यात गीतकार-संगीतकार स्व. रवीन्द्र जैन की अन्तदृष्टि से देखने का प्रयास करें। उन्होंने अपने भजन में कहा था कि-

'सब णमोकार का जाप करें, और पाठ करें भक्तामर का।
नित नियमित पालें पंचशील, और त्याग करें आडम्बर का।।
हम जैनी अपना धर्म जैन, इतना ही परिचय केवल हो,
हम यही कामना करते है।''

विश्वभर में जन्में, दिगम्बरत्व के प्रति आस्था-श्रद्धा-विश्वास रखने वालों के लिए महामस्तकाभिषेक अलौकिक क्षण है, जिन्हें इसका मौका मिल रहा है। वे अपनी-अपनी दृष्टि निर्मल करें और विश्वतीर्थ पर इस अनुपम आयोजन में अपनी श्रद्धा का अर्घ्य समर्पित करे। इसका मौका मिल रहा है। वे अपनी-अपनी दृष्टि निर्मल करें और विश्वतीर्थ पर इस अनुपम आयोजन में अपनी श्रद्धा का अर्घ्य समर्पित करे।

आशा है, हम पंथ की दृष्टि से, हम अपनी अन्तर्दृष्टि से इस अलौकिक विश्ववंदनीय मुद्रा को देखेंगे तो हमें यह प्रतिमा 'सम्यक दर्शन' भी करा सकती है, जो हमारे मोक्ष मार्ग का कारण बनेगी। ऐसे प्रथम मोक्षमार्गी के प्रति हम अपनी श्रद्धा से भरकर संस्कारों के शंखनाद में अपना योगदान देंगे और सैकड़ों पिच्छीधारी संतो की उपस्थिति में महामस्तकाभिषेक करने का महान पुण्य अर्जित करेगें। इसी आशा के साथ, अंत में एक विचार

एक हो जाऐगें तो बन जाऐगें चाँद-सूरज।
बिखरे हुए तारों से कहाँ रोशनी होगी।

हम सभी आएँ और दिगम्बर संस्कृति के गौरव उत्सव में सम्मिलित होकर अपना योगदान सुनिश्चित करें।

- राजेन्द्र जैन 'महावीर', सनावद

SUFAL VAASTU
Guidance for Successful life

Satyendr Jain
Vaastu Consultant (GVSRC Member)
Record Holder of ASIA Book
& India Book in Vaastu field

समस्या आपकी, समाधान हमारा-

* व्यापार/नौकरी की वृद्धि में अवरोध दूर कर आशातीत सफलता प्राप्त करें।
* निवास/व्यापार स्थान की भूमि ऊर्जा का परीक्षण। क्या यह आपकी प्रगति में सहायक है या अवरोधक है?
* सकारात्मक भूमि ऊर्जा के निर्माण द्वारा शांति व सुख-समृद्धि में वृद्धि।
* बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए घर में यथा योग्य स्थान का चयन।
* अविवाहित युवक-युवतियों के विवाह होने में अवरोधक तत्वों का वास्तु द्वारा निवारण।
* व्यापार का रुका हुआ पेमेन्ट अथवा कर्ज का वास्तु द्वारा निवारण।
* वास्तु द्वारा बहुत ही आसानी से अपने जीवन के महत्वपूर्ण लक्ष्यों को प्राप्त करें।

Land Energy • Vaastu Registry
Elements Vaastu • Colour Vaastu
Mathemetical Vaastu • Layout Vaastu
Pyramidology • Mantrology • Numerology

5, Dhanlaxmi Society, Opp. C.M.C., Odhav Road, Ahmedabad - 382 415 (Guj.)
Mob. 9898020636 (w), 9510374203 (w), E-mail : sufalvaastu@gmail.com

गोलालारीय दर्शन समाज के 4500 परिवारों तक नियमित भेजा जा रहा है। संभव है डाक व्यवस्था या आपका पता सही न होने के कारण पत्रिका आपको व आपके रिश्तेदारों तक पत्रिका नहीं पहुंचती है तो उनका नाम व पता पोस्टकार्ड पर लिखकर पत्रिका कार्यालय पर भेज देवें या 9424013136 पर दोप. 4 से रात्रि 10 तक संपर्क कर सकते है या अपने पता का एसएमएस कर सकते है।